



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)  
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्रतिपक्षर द्वारा प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 341]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 12, 1994/श्रावण 21, 1916

No. 341]

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 12, 1994/SRAVANA 21, 1916

वित्त मंत्रालय  
(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 अगस्त 1994

सं. 2/94—अन्तर्देशीय वायु यात्रा कर

सा. का. नि. 635(अ).—भारतीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1989 (1989 का 13) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अन्तर्देशीय वायु यात्रा कर नियम, 1979 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम अन्तर्देशीय वायु यात्रा कर (संशोधन) नियम, 1994 है।

(2) ये 1 सितंबर, 1994 को प्रवृत्त होंगे।

2. अन्तर्देशीय वायु यात्रा कर नियम, 1989 (जिसे इसमें इससे पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 3 को उसमें उपनियम (1) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा और इस प्रकार पुनः संख्यांकित उपनियम (1) के

पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंतःस्थापित किया जाएगा अर्थात्:—

“(2) उपनियम (1) के अधीन संग्रहीत कर की रकम अन्तर्देशीय यात्रा पर पोतारोहण करने के लिए किसी यात्री या उसकी अभिकर्ता को जारी दिए गए टिकट पर वाहक द्वारा भ्रमण से उद्देशित की जाएगी।

3. उक्त नियम के नियम 5 में,—

(i) उपनियम (2) में, “सूचना में विनिर्दिष्ट रकम” शब्दों के स्थान पर, “सूचना में विनिर्दिष्ट कर की रकम और उस पर संदेय ब्याज, यदि कोई हो,” शब्द रखे जाएंगे।

(ii) उपनियम (3) में, “इस प्रकार अवधारित रकम” शब्दों के स्थान पर “इस प्रकार अवधारित कर की रकम और उस पर संदेय ब्याज, यदि कोई हो,” शब्द रखे जाएंगे।

4. उक्त नियम के नियम 6 में,—

(i) “साठ दिन” शब्दों के स्थान पर, “तीस दिन” शब्द रखे जाएंगे,

(ii) परंतु का लोप किया जाएगा।

5. उक्त नियम के नियम 7 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखे जाएंगे, अर्थात् :—

“7. संग्रहीत कर आदि से संबंधित विवरणी,—प्रत्येक वाहक जिससे नियम 6 के अधीन खजाने में कर संदाय करने की अपेक्षा की जाती है, प्रत्येक मास की बाबत उस मास के अंत से तीस दिन की समाप्ति के पूर्व सीमा-शुल्क कलेक्टर के सामने इन नियमों से उद्घाटित प्ररूप में एक विवरणी संग्रहीत कर की रकम, प्रतिदाय की गई रकम और खजाने में संदत्त रकम उपदर्शित करते हुए फाइल करेगा :

परंतु सीमा-शुल्क कलेक्टर, किसी वाहक द्वारा प्रचालित उद्घाटनों की संख्या का ध्यान रखते हुए ऐसे वाहक को उक्त प्ररूप का भाग ख फाइल करने से छूट दे सकेगा।

7क. यात्रियों की माल सूची फाइल करना—सीमा-शुल्क कलेक्टर अधिनियम की धारा 42 की उपधारा (2) के अधीन प्राधिकृत वाहक से ऐसे प्ररूप में, ऐसी रीति में और ऐसे अधिकारी के समक्ष, जो उसके द्वारा अन्तर्देशीय यात्रा पर जा रहे यात्रियों को ले जाने वाली प्रत्येक उद्घाटन के बारे में विनिर्दिष्ट किया जाए, यात्री माल सूची की एक प्रति फाइल करने की अपेक्षा कर सकेगा।”

6. उक्त नियम के नियम 8 में, “या अन्य दस्तावेज तैयार किए गए थे, पांच वर्ष की कालावधि तक परिरक्षित रखे जाएंगे” शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे अर्थात् :—

“और ऐसे चालान, वाउचर, विवरणी या अन्य दस्तावेज सीमा-शुल्क अधिकारी के समक्ष, जब कभी ऐसा किया जाना अपेक्षित हो, पेश किए जाएंगे।”

7. उक्त नियम के नियम 8 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

(1) “8क नियमों के उपबंधों का अनुपालन करने में असफलता पर शास्ति—कोई वाहक जो यात्री या उसके अधिकारी को जारी किए गए टिकट पर संग्रहीत कर की रकम उपदर्शित करने में असफल रहता है वह ऐसे प्रत्येक टिकट के लिए जहां कर की रकम उपदर्शित नहीं की गई है, पांच सौ रुपये की शास्ति का दायी होगा।

(2) कोई वाहक जो संग्रहीत कर की रकम, प्रतिदाय की गई रकम और खजाने में संदत्त रकम को दर्शित करते हुए नियम 7 के अधीन विनिर्दिष्ट रीति में विवरणी फाइल करने में असफल रहता है शास्ति का दायी होगा जो दो हजार रुपये से कम नहीं होगी किंतु जो बीस हजार रुपये तक हो सकेगी और वह उस तारीख के पश्चात् जब

विवरणी उक्त नियम के उपबंधों के अनुसार फाइल की जानी शोध्य थी, प्रत्येक दिन के लिए पांच सौ रुपये अनधिक अतिरिक्त शास्ति का दायी होगा।

(3) कोई वाहक जो नियम 7क के अधीन अपेक्षित रीति में यात्री माल सूची की प्रति फाइल करने में असफल रहता है, शास्ति का दायी होगा जो दो हजार रुपये से कम नहीं होगी किंतु जो बीस हजार रुपये तक हो सकेगी और वह उस तारीख के पश्चात् जब उक्त नियम के उपबंधों के अनुसार माल सूची फाइल की जानी शोध्य थी, प्रत्येक दिन के लिए पांच सौ रुपये से अधिक अतिरिक्त शास्ति का दायी होगा।”

8. उक्त नियम के नियम 11 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“11क. अपील के लम्बित रहते हुए, मांग किए गए कर और ब्याज या उद्घाटित शास्ति का निक्षेप—जहां नियम 11 के अधीन कोई अपील किसी कर और ब्याज, यदि कोई उस पर संदेय हो, या अधिनियम या इन नियमों के अधीन उद्घाटित किसी शास्ति से संबंधित है तो ऐसे विनिश्चय या आवेश के विरुद्ध अपील करने की वांछा रखने वाला व्यक्ति सीमा-शुल्क सहायक कलेक्टर के पास मांग किए गए कर तथा ब्याज, यदि कोई उस पर संदेय हो, या उद्घाटित शास्ति हो, अपील के लम्बित रहने के दौरान निक्षिप्त कर सकेगा :

परंतु जहां किसी मामले में कलेक्टर (अपील) को यह राय है कि मांग किए गए कर और ब्याज, यदि कोई उस पर संदेय हो, या उद्घाटित शास्ति का निक्षेप ऐसे व्यक्ति को असम्पत्ति कठिनाई में डालेगा वहां कलेक्टर (अपील) ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो वह राजस्व के हितों को संरक्षित रखने के लिए अधिरोपित करना उचित समझे, ऐसे निक्षेप से छूट दे सकेगा।”

9. उक्त नियम के नियम 14 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“14. सरकार को देय राशि की वसूली—

(1) जहां किसी वाहक द्वारा कोई कर, ब्याज या शास्ति संदत्त नहीं की गई है वहां सहायक सीमा-शुल्क कलेक्टर, नियमों के अधीन कर, ब्याज या शास्ति के अवधारित हो जाने के पश्चात्, ऐसे कर, ब्याज या शास्ति की रकम की वसूली उपनियम (2), उपनियम (3) या उपनियम (4) में विनिर्दिष्ट एक या अधिक ढंग द्वारा करते के लिए प्रयत्न हो सकेगा।

(2) सहायक सीमा-शुल्क कलेक्टर किसी व्यक्ति से, जिससे वाहक को कोई रकम देय है उक्त रकम में से इस प्रकार अवधारित कर, ब्याज या शास्ति

की कटौती करने की प्रोक्षा कर सकेगा और ऐसा व्यक्ति सहायक सीमा-शुल्क कलक्टर की अध्यक्षता का पालन करेगा और इस प्रकार कटौती की गई रकम का संदाय केन्द्रीय सरकार के खाते में करेगा :

परंतु इस उपनियम में की कोई बात सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 (1908 का 5) की धारा 60 के अधीन सिविल न्यायालय की डिक्री के निष्पादन में कुर्की से छूट प्राप्त रकम के किसी भाग को लागू नहीं होगी ।

(3) सहायक सीमा-शुल्क कलक्टर शीघ्र रकम विनि-दिष्ट करते हुए भरने द्वारा हस्ताक्षरित एक प्रमाणपत्र तैयार कर सकेगा और उसे उस जिले के कलक्टर को भेजेगा जिसमें बाहक के स्वामित्वा-धीन कोई संपत्ति है या वह वही निवास या कारबार चलाता है और उक्त कलक्टर, ऐसे प्रमाणपत्र की प्राप्ति पर, उक्त बाहक से तत्काल विनिदिष्ट रकम वसूल करने के लिए इस प्रकार अप्रसर होगा, मानो कि वह भू राजस्व की बकाया हो ।

(4) सीमा-शुल्क कलक्टर द्वारा मंजूर किए गए विनि-दिष्ट प्राधिकार पर, सहायक सीमा-शुल्क कलक्टर, बाहक की या उसके नियंत्रण के अधीन किसी वायु-यान और किसी अन्य सम्पत्ति को करस्थम या बंदी बना सकेगा और उसे तब तक निरुद्ध रख सकेगा जब तक इस प्रकार अवधारित कर, व्याज या शास्ति का संदाय न कर दिया जाए, और यदि कर, व्याज या शास्ति या करस्थम या बंदी वायुयान या अन्य सम्पत्ति के करस्थम या बंदी होने या उसे रखने के खर्च का कोई भाग किसी ऐसे करस्थम या बंदी किए जाने के परवा, आगामी तीस दिन पश्चात् की अवधि के लिए असंदत रहता है तो वह उक्त वायुयान या अन्य संपत्ति का विक्रय कर सकेगा और ऐसे विक्रय के आगमों से कर, व्याज या शास्ति और खर्चों का जिसके अन्तर्गत विक्रय का खर्चा भी है, जो असंदत बना हुआ है, तुष्टि कर सकेगा और यदि कोई अधिगोष हो तो उसे बाहक को दे सकेगा ।”

10. उक्त नियमों से उपायक प्ररूप के स्थान पर निम्न-लिखित प्ररूप रखा जाएगा, अर्थात्:—

“प्ररूप

(देखिए नियम 7)

मास के दौरान संग्रहीत और संदत अंतर्देशीय वायु यात्रा कर दर्शाते हुए विवरण ।

भाग-क

1. बाहक का नाम और पता :
2. मास :
3. संग्रहीत भाड़े की कुल रकम (जिसके अन्तर्गत कर भी है) :
4. मास के दौरान प्रतिदाय की गई रकम :
5. संदेय कर :
6. खजाने में सदात कर की रकम :
7. चालान सं. और तारीख जिसके अधीन कर का संदाय किया गया ।

भाग - ख

(यह विवरण मास के दौरान ऐसे बाहक द्वारा प्रचालित प्रत्येक उड़ान के लिए पृथक् रूप से सैक्टर के अनुसार दिया जाना है ) ।

- (1) बाहक का नाम और पता :
- (2) मास :
- (3) उड़ान सं.
- (4) सैक्टर
- (5) मास के दौरान सैक्टर में यात्रा करने वाले यात्रियों की कुल संख्या :
  - (i) कर का संदाय करने वाले
  - (ii) छूट प्राप्त प्रवर्ग
- (6) मास के दौरान सैक्टर में यात्रा करने वाले यात्रियों से संग्रहीत भाड़े की शुद्ध रकम :—
  - (i) कर का संदाय करने वाले यात्रियों से
  - (ii) छूट प्राप्त प्रवर्ग से
- (7) संदेय कर की रकम :

टिप्पण :—

- (i) विवरण का भाग ख प्रत्येक सैक्टर के लिए पृथक् रूप से दिया जाएगा जिसमें मास के दौरान उस सैक्टर में प्रचालित सभी उड़ानों की सूचना होगी ।
- (ii) स्तंभ 6 में निर्दिष्ट भाड़े की शुद्ध रकम में से भाड़े की वह रकम अपवर्जित है जो संग्रहीत की गई थी किंतु बाध में प्रतिदाय कर दी गई ।”

[फा. सं. 311/4/92—एफ. टी. टी.]

ए. एस. बेदी, अवसर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 12th August, 1994

## NO. 2/94-INLAND AIR TRAVEL TAX

G.S.R. 635(E).—In exercise of the powers conferred by section 43 of the Finance Act, 1989 (13 of 1989), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Inland Air Travel Tax (Amendment) Rules, 1994.

1. (1) These rules may be called the Inland Air Tax (Amendment) Rules, 1994.

(2) They shall come into force on the 1st day of September, 1994.

2. Rule 3 of Inland Air Travel Tax Rules, 1989 (hereinafter, referred to as the said rules), shall be renumbered as sub-rule (1) thereof, and after sub-rule (1) as so renumbered, the following sub-rule shall be inserted, namely :—

“(2). The amount of tax collected under sub-rule (1) shall be indicated separately by the carrier on the ticket issued to a passenger or his agent for embarking on inland journey.”

3. In rule 5 of the said rules,—

- (i) in sub-rule (2), for the words “amount specified in the notice”, the words “amount of tax specified in the notice and the interest, if any, payable thereon” shall be substituted;
- (ii) in sub-rule (3) for the words “the amount so determined”, the words “the amount of tax so determined and the interest, if any, payable thereon” shall be substituted.

4. In rule 6 of the said rules,—

- (i) for the words “sixty days”, the words “thirty days” shall be substituted;
- (ii) the proviso shall be omitted.

5. For rule 7 of the said rules, the following rules shall be substituted, namely :—

“7. Return regarding tax collected, etc.—Every carrier required under rule 6 to pay the tax into the treasury shall file, in respect of every month before the expiry of thirty days from the end of that month, before the Collector of Customs, a return in the Form annexed to these rules, showing amount of tax collected, amount refunded and the amount paid into the treasury :

Provided that the Collector of Customs may, having regard to the number of flights operated by a carrier, exempt such carrier from filing Part-B of the said Form.

7.A. Filing of passengers' manifest.—The Collector of Customs may require a carrier authorised under sub-section (2) of section 42 of the Act to file a copy of the passengers' manifest in such form, in such manner and before such officer, as may be specified by him, in respect of each flight carrying passengers on an inland journey.”

6. In rule 8 of the said rules, after the word “or other document was prepared”, the following words shall be inserted, namely :—

“and such challan, voucher, return or other document shall be produced before an officer of customs as and when required to do so”.

7. After rule 8 of the said rules, the following rule shall be inserted, namely :—

“8A. Penalty for failure to comply with the provisions of the rules,

- (1) Any carrier who fails to indicate the amount of tax collected on the ticket issued to a passenger or his agent shall be liable to a penalty of rupees five hundred for each such ticket where the amount of tax has not been indicated.
- (2) Any carrier who fails to file a return showing the amount of tax collected, amount refunded and the amount paid in the treasury in the manner as specified under rule 7 shall be liable to a penalty which shall not be less than rupees two thousand but which may extend to rupees twenty thousand and to a further penalty not exceeding rupees five hundred for each day after the date when the return was due to be filed in accordance with the provisions of the said rule.
- (3) Any carrier who fails to file a copy of the passengers' manifest in the manner required under the rule 7A shall be liable to a penalty which shall not be less than rupees two thousand but which may extend to rupees twenty thousand and to a further penalty not exceeding rupees five hundred for each day after the date when manifest was due to be filed in accordance with the provisions of the said rule.”

8. After rule 11 of the said rules, the following rule shall be inserted namely :—

“11A. Deposit, pending appeal, of tax and interest demanded or penalty levied.—Where any appeal under rule 11 relates to any tax and the interest, if any payable thereon or any penalty levied under the Act or these rules, the person desirous of appealing against such decision or order shall, pending the appeal, deposit with the Assistant Collector of Customs, the tax demanded and the interest, if any, payable thereon, or the penalty levied:



Provided that where in any case the Collector (Appeals) is of the opinion that the deposit of tax demanded and the interest, if any, payable thereon, or the penalty levied would cause an undue hardship to such person, the Collector (Appeals) may dispense with such deposit subject to such conditions as he may deem fit to impose so as to safeguard the interests of revenue."

9. For rule 14 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely :—

"14. Recovery of sums due to Government.—

(1) Where any tax, interest or penalty is not paid by a carrier, the Assistant Collector of Customs may, after the tax, interest or penalty has been determined under the rules, proceed to recover the amount of such tax, interest or penalty by one or more of the modes specified in sub-rule (2), sub-rule (3) or sub-rule (4).

(2) The Assistant Collector of Customs may require any person, from whom any amount is due to the carrier, to deduct the tax, interest or penalty so determined from the said amount and such person shall comply with the requisition by the Assistant Collector of Customs and shall pay the amount so deducted to the credit of the Central Government :

Provided that nothing in this sub-rule shall apply to any part of the amount exempt from attachment in execution of a decree of a civil court under section 60 of the Code of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908).

(3) The Assistant Collector of Customs may prepare a certificate signed by him specifying the amount due and send it to the Collector of the district in which the carrier owns property or resides or carries on business and the said Collector, on receipt of such certificate, shall proceed to recover from the said carrier the amount specified thereunder as if it were an arrear of land revenue.

(4) On a specific authorisation being granted by the Collector of Customs, the Assistant Collector of Customs may distrain or arrest any aircraft and any other property belonging to, or under the control of, the carrier and detain the same until the tax, interest or penalty so determined is paid; and in case any part of the tax, interest or penalty or of the cost of the distress or arrest or of the keeping of the aircraft or other property distrained or arrested, remains unpaid for the space of thirty days next after any such distress or arrest, may cause the said aircraft or other property to

be sold and with the proceeds of such sale may satisfy the tax, interest or penalty and the costs including the cost of sale remaining unpaid, and shall render the surplus, if any, to the carrier".

10. For the Form annexed to the said rules, the following Form shall be substituted, namely :—

#### "FORM

(See rule 7)

#### STATEMENT SHOWING THE INLAND AIR TRAVEL TAX COLLECTED AND PAID DURING THE MONTH OF \_\_\_\_\_.

##### PART—A

- (1) Name and address of the Carrier :
- (2) Month :
- (3) Gross Amount of Fare collected (including tax) :
- (4) Amount refunded during the month :
- (5) Tax payable :
- (6) Amount of tax paid into the treasury :
- (7) Challan No. and date under which tax paid :

##### PART—B

(This Statement is to be given sector-wise separately for each of the flights operated by such carrier during the month).

- (1) Name and address of the carrier :
- (2) Month :
- (3) Flight No. :
- (4) Sector :
- (5) Total number of passengers undertaking the journey in the sector during the month :—
  - (i) Tax paying
  - (ii) Exempted category
- (6) Net amount of fare collected from the passengers undertaking the journey in the sector during the month :—
  - (i) From tax paying passengers
  - (ii) From exempted category
- (7) Amount of tax payable :

Note : (i) Part-B of the Statement is to be given for each sector separately containing information of all the flights operated on that sector during the month.  
 (ii) Net amount of fare referred to in Col. 6 excludes the amount of fare collected but subsequently refunded."

[F. No. 311/4/92-FTT]

A. S. BEDI, Under Secy.

